बुधवार
06 मई 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 102
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

जुआरियों की बारात

❑कुख्यात तिनका व बसंल सहित 18 जुआरी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। निजी अपार्टमेंट में चल रहे लाखों रूपये के जुए का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने कुख्यात राकेश उर्फ तिनका व बंसल सहित 18 जुआरियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 3 लाख 10 हजार 600 रूपये की नगदी व ताश की गड्डीयां बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली नगर क्षेत्र में एक निजी अपार्टमेन्ट में बड़े स्तर पर जुए के संचालित होने की सूचना प्राप्त हुयी, सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने देर रातं कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत सहारनपुर चौक स्थित महावीर अपार्टमेंट में दबिश देते हुये अपार्टमेन्ट के तृतीय तल पर स्थित एक फ्लैट में संचालित हो रहे हाईप्रोफाइल जुए का पर्दाफाश किया।

मौके पर पुलिस द्वारा अवैध रूप से जुआ खेल रहे 18 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिनके कब्जे से 3 लाख 10 हजार 600 रूपये की नगदी, ताश की गड्डियां एवं डाईस बरामद हुये। सभी आरोपियों के खिलाफ कोतवाली नगर पर जुआ अधिनियम के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज किया गया।

आरोपियों से पूछताछ में जानकारी मिली कि उक्त फ्लैट गिरफ्तार आरोपी रोशन लाल बन्सल का है जो अपने फ्लैट में लोगों को ताश के पत्तों व डाइस से जुआ खिलवाता है व स्वयं भी उनके साथ जुआ खेलता है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम राकेश उर्फ तिनका निवासी ऋषिनगर, रायपुर, देहरादून, रोशन लाल बंसल निवासी झंडा बाजार, देहरादून, सुजल निवासी झंडा बाजार, देहरादून, निक्कू कुमार निवासी तिलक रोड, देहरादून, सन्नी पासवान निवासी ब्राह्मणवाला, देहरादून, प्रीतम निवासी ब्राह्मणवाला, देहरादून, सुनील निवासी नालापानी, देहरादून, इंतजार निवासी चंदन नगर, देहरादून, सौरभ जायसवाल निवासी लक्खीबाग, देहरादून, विकास कुमार निवासी झंडाबाजार, देहरादून, अरुण कुमार निवासी ऋषिनगर, देहरादून, मुकेश निवासी कावली रोड, देहरादून, वाजिद खान निवासी निरंजनपुर, देहरादून, सूरज पासवान निवासी ब्रह्मपुरी, देहरादून, सुबोध पासवान निवासी लक्खीबाग, देहरादून, दिलबर निवासी करणपुर, देहरादून, हरीश निवासी ऋषिनगर सहस्त्रधारा रोड, देहरादून व कादिर निवासी कारगी, देहरादून बताये जा रहे है।

ट्रक की चपेट में आकर मजदूर की मौत, हंगामा

हमारे संवाददाता

देहरादून। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आकर एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गयी। घटना के बाद मौके पर परिजन और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए और हंगामा काटना शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर लोगों को शांत करने का प्रयास किया लेकिन आक्रोशित लोगों ने पुलिस को शव उठाने से रोक दिया और सड़क पर ही हंगामा शुरू कर दिया। गुस्साए लोगों ने वहां लगे पोस्टर और बैनर भी फाड़ दिए। वहीं घटना के बाद ट्रक चालक मौके से भाग निकला जिसकी तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह थाना वसन्त विहार को सूचना मिली कि कांवली रोड गोविंदगढ़ पुल के पास एक ट्रक द्वारा अज्ञात व्यक्ति को टक्कर मार दी है। उक्त सूचना पर थाना वसन्त विहार से पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुँचा।

मौके पर पहुंच कर पता चला कि ट्रक चालक द्वारा एक व्यक्ति को कांवली रोड गोविंदगढ़ पुल के पास टक्कर मार दी थी, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। ट्रक चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पूछताछ करने पर ज्ञात हुआ कि मृतक का नाम सकल देव साहनी पुत्र दयाराम साहनी निवासी शिपनगर थाना सेयारा जिला सीतामढ़ी बिहार हाल पता कालिंदी एनक्लेव उम्र 55 वर्ष है, मृतक व्यक्ति मजदूरी का कार्य करता था जो अपने साथियों के साथ सुबह मजदूरी पर जाने के लिए उक्त स्थान पर खड़ा था।

घटना के बाद मौके पर परिजन और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए। आक्रोशित लोगों ने पुलिस को शव उठाने से रोक दिया और सड़क पर ही हंगामा शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कांवली रोड पर सुबह के समय तेज रफ्तार डंपरों व ट्रकों का आवागमन आम बात है, लेकिन पुलिस और प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं देते। लोगों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है और चालक की जल्द गिरफ्तारी की भी मांग उठाई है। पुलिस लोगों को समझाने में जुटी रही।

बहरहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है और ट्रक चालक की तलाश के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। पुलिस के आलाधिकारियों ने आश्वासन दिया कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

दून वैली मेल

संपादकीय

चीरहरण और युद्ध का उद्घोष

भले ही यह कहा जाता रहा हो कि राजनीति और प्यार में सब कुछ जायज होता है लेकिन सच यह है की राजनीति और प्यार में ही सबसे अधिक पारदर्शिता और विश्वसनीयता जरूरी होती है। पांच राज्यों के चुनावों के दौरान अगर सभी की जिज्ञासा के केंद्र में पश्चिम बंगाल था तो क्यों था? चुनावी नतीजों के बाद इस सवाल का जवाब सभी को मिल चुका है। हर आम और खास आदमी से लेकर सभी दलों के नेता इस सच से बखूबी वाकिफ है कि यह चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव नहीं था। इस चुनाव को अपनी इच्छानुकूल बनाने के लिए केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग द्वारा एक सुनियोजित रणनीति तैयार की गई थी। जिसमें एसआईआर जिसके माध्यम से 22 लाख ऐसे मतदाताओं से उनके मताधिकार छीना गया जो सुप्रीम कोर्ट तक अपील में गए तथा 8 लाख ऐसे मतदाताओं का नाम जोड़ा गया जिनकी जानकारी नहीं दी गई। इस राजनीतिक खेल की यह सबसे अहम कड़ी थी जिसे न्यायपालिका ने यह कहकर नजर अंदाज कर दिया था कि अगर एक बार वोट नहीं डालोगे तो क्या हो जाएगा अगली बार डाल देना। चुनावी दौर में राज्य के सभी बड़े अधिकारियों सहित व्यापक पैमाने पर किए जाने वाले ट्रांसफर और भारी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती सब कुछ एक सुनियोजित तरीके से किए गए काम है क्योंकि सत्ता में बैठे लोगों को पता था कि चुनावी नतीजों के बाद क्या होगा? ममता बनर्जी अब अगर सीएम पद से इस्तीफा भी नहीं देती है तब भी वह नई निर्वाचित सरकार को सत्ता संभालने से नहीं रोक पाएगी? 9 मई को उनकी सरकार का कार्यकाल पूरा होने पर स्वत: ही वह पूर्व मुख्यमंत्री हो जाएगी मुख्यमंत्री रहते हुए जब उन्हें स्ट्रांग रूम में घुसने से रोका जा सकता है तथा उनके मुख्य पर्यवेक्षक तथा उनके साथ मारपीट की जा सकती है तब जब न उनकी सरकार होगी न वह मुख्यमंत्री होगी तब क्या-क्या हो सकता है? इसकी कल्पना भी वह नहीं कर सकती हैं। जिसकी शुरुआत भाजपा की जीत के साथ ही उनके आवास पर जय श्री राम के नारे लगाए जाने, टीएमसी के कार्यालय पर बुलडोजर चलाने व जगह-जगह उनके कार्यकर्ताओं के साथ होने वाली मारपीट हिंसा व आगजनी के रूप में सामने आना शुरू हो गया है। विपक्ष को भी इस बात का अंदाजा नहीं था कि वह इस तरह हार जाएगी या हरा दी जाएगी। लेकिन उनकी इस हार के बाद अब इंडिया ब्लॉक के सभी छत्रपों को यह समझ आ गया है कि सत्ता में रहते हुए जब ममता जैसी नेता स्वयं का किला नहीं संभाल पाई तो वह तो सत्ता में भी नहीं है उनके लिए तो यह कतई भी आसान नहीं होगा। यही कारण है कि वह अब सारे के सारे ममता के संघर्ष में उनके साथ खड़े नजर आ रहे हैं और युद्ध का शंखनाद कर रहे हैं। ममता ने साफ कर दिया है कि वह भाजपा का अत्याचार अब और नहीं सहेंगी। सवाल यह है कि जब चुनाव आयोग और न्यायपालिका उनकी आपत्तियों को सुनने के लिए तैयार नहीं है तब उनके पास विकल्प क्या बचता है? जनता जो उन्हें नकार चुकी है तथा अब उनके आंदोलन या लड़ाई लड़ने के ऐलान के बाद भी जनता की प्रतिक्रिया बेहद बेदम दिख रही है तब उनकी राह आसान कैसे हो सकती है। भले ही भाजपा की राजनीति का उद्देश्य सिर्फ राज करना हो और उसका राष्ट्र नीतियों से कोई सरोकार न रहा हो लेकिन उसके पास सत्ता तथा धन का जो बड़ा बल है उसके सामने उनकी लड़ाई किस मुकाम तक पहुंच पाएगी यह समय ही बताएगा?

उत्तराखंड में विधानसभा 2027 के रण में मुद्दों की होगी इस बार भरमार

रोजगार-भू-कानून बनेगे 'गेमचेंजर'

❑पलायन, पहचान, विकास, महिला शक्ति और संगठन-पर तय होगी सत्ता की राह

❑रोजगार और पलायन, पहाड़ में खाली होते गांवों की बढ़ती चिंता पर होगा फोकस

❑उत्तराखंड की अस्मिता, युवाओं के सब्र और नेतृत्व की साख का भी होगा टेस्ट

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की रणभेदी बजने में अभी समय है, लेकिन इस बार का चुनाव उत्तराखंड की राजनीति अब हर पांच साल में बदलाव के मिथक से आगे निकल चुका है। 2027 का रण केवल विकास के दावों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह राज्य की अस्मिता, युवाओं के सब्र और नेतृत्व की साख का टेस्ट भी होगा। इसके साथ ही इस बार का चुनाव पारंपरिक राजनीति से आगे बढ़कर आमजन से जुड़े ठोस सवालों पर केंद्रित होता दिख रहा है। पहाड़ की चुनौतियों, सीमित संसाधनों और बदलते सामाजिक समीकरणों के बीच मतदाता अब सीधे जवाब चाहता है। राजनीतिक दल भी अपनी रणनीतियों को कुछ मुद्दों के इर्द-गिर्द गढ़ रहे हैं, जो सत्ता का रास्ता तय करेंगे।

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनैतिक दल अपनी तैयारियों में लगे हैं और हर उस रणनीति को तैयार कर रहे हैं जो सत्ता के लिए सही हो। राजनैतिक विशेषज्ञों की माने तो इस बार के विधानसभा चुनाव में राज्य के मूद्दों के ज्यादा हावी रहने के संकेत मिल रहे हैं। वैसे भी विपक्ष और प्रदेश के सबसे पुराने क्षेत्रिय दल यूकेडी के यूथ ब्रिगेड की रणनीति राष्ट्रीय दलों पर भारी पड़ सकती है। राजनैतिक विशेषज्ञों की माने तो आगामी विधानसभा चुनाव में इन मुद्दों पर ज्यादा बात होने की संभावना है। इसमें राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में पलायन सबसे गंभीर चुनौती बना हुआ है। सरकारी आंकड़ों और सामाजिक अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि कई गांव आंशिक या पूरी तरह खाली हो चुके हैं। युवाओं के सामने रोजगार के सीमित अवसर, भर्तियों में देरी और निजी क्षेत्र का अभाव उन्हें मैदानों और अन्य राज्यों की ओर धकेल रहा है। कृषि और पारंपरिक व्यवसाय भी अब पहले जैसे सहारा नहीं दे पा रहे।

इसके साथ ही राज्य में सख्त भू-कानून की मांग अब जनआंदोलन का रूप ले चुकी है। स्थानीय लोग बाहरी निवेश और जमीन खरीद पर नियंत्रण की मांग कर रहे हैं। यह मुद्दा सिर्फ जमीन का नहीं, बल्कि पहाड़ की पहचान, संस्कृति और संसाधनों की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। इसके साथ ही मूल निवास का सवाल भी इसी के साथ मजबूती से उभर रहा है। खासतौर पर पर्वतीय सीटों पर यह मुद्दा निर्णायक असर डाल सकता है। क्षेत्रीय दल और सामाजिक संगठन इसे चुनावी केंद्र में ला रहे हैं।

वही दूसरी ओर सत्तारूढ़ पक्ष अपने कार्यकाल की उपलब्धियों को चुनावी मुद्दा बनाएगा। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यटन से जुड़े प्रोजेक्ट्स को प्रमुखता दी जा रही है। चारधाम यात्रा, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और निवेश को सरकार अपनी ताकत के रूप में पेश करेगी। हालांकि, विपक्ष महंगाई, बेरोजगारी और क्षेत्रीय असंतुलन जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में है।

2027 का चुनाव यह तय करेगा कि उत्तराखंड अपनी मूल पहचान को बचाने के साथ-साथ आधुनिक विकास की दौड़ में कहां खड़ा है। यह चुनाव केवल नारों का नहीं, बल्कि पहाड़ के स्वाभिमान का होगा। यह सब राजनैतिक दलों को पता है और वह इसके लिए अपनी रणनीति तय करने में लगे हैं,ताकी जनता के बीच जाकर अपने आप को ही हीरो साबित कर सके और चुनाव में वोट अपने पक्ष में डलवा सके, लेकिन राज्य की जनता का असली मूड क्या होगा यह तो आने वाले समय में पता चलेगा।

यूपीआई के माध्यम से निकाले एक लाख 97 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। यूपीआई के माध्यम से एक व्यक्ति के दो बैंक खातों से एक लाख 97 हजार रूपये निकालने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गढी कैण्ट निवासी अनूप कुमार ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि किसी ने उसके बैंक खातों से यूपीआई के माध्यम से एक लाख 97 हजार रूपये निकाल लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एसपी द्वारा जवानों हेतु की गई व्यवस्थाओं का लिया जायजा

संवाददाता

उत्तरकाशी। एसपी कमलेश उपाध्याय ने सीएपीएफ कैंप का निरीक्षण कर जवानों हेतु की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

आज यहां चारधाम यात्रा-2026 के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और आगामी यात्रा पीक को देखते हुए उत्तरकाशी पुलिस पूरी तरह सतर्क और अलर्ट है। यात्रा को सुरक्षित, सरल एवं सुगम बनाने के लिए हर स्तर पर सतर्कता बरती जा रही है। आगामी यात्रा पीक को देखते हुए पुलिस, एसडीआरएफ के साथ यात्रा रुटों पर पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती भी की गई है। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय द्वारा मनेरी क्षेत्र में स्थित पायलेट बाबा आश्रम में सीएपीएफ हेतु बनाये गये कैंप का निरीक्षण कर केंद्रीय सुरक्षा बल आईटीबीपी के जवानों के ठहरने एवं भोजन आदि की व्यवस्थाओं को चेक किया गया। निरीक्षण के दौरान एसपी द्वारा जवानों के आवास, स्वच्छता, पेयजल, भोजन, विद्युत व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का गहनता से जायजा लिया गया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं व्यवस्थापकों को निर्देशित किया कि सुरक्षा बलों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रूप से सुनिश्चित की जाएं। एसपी उत्तरकाशी द्वारा बताया गया कि उत्तरकाशी पुलिस द्वारा जनपद में सुरक्षा एवं यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर लगातार सतर्कता एवं समन्वय के साथ कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बल के जवानों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन भी किया तथा बेहतर समन्वय के साथ ड्यूटी निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी निरीक्षक मनेरी दीपक नौटियाल, वरिष्ठ उपनिरीक्षक सुखपाल सिंह सहित आईटीबीपी के अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

रक्षा अनुसंधन विद्यालय के निजीकरण किये जाने के विरोध में प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। रक्षा अनुसंधान के केन्द्रीय विद्यालय के निजीकरण किये जाने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां कांग्रेस कार्यकर्ता विनीत प्रसाद भट्ट के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर एकत्रित हुए। जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि रायपुर के सुंदरवाला क्षेत्र स्थित रक्षा अनुसंधान विद्यालय वर्षो से क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता आ रहा है। इस विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं उनके अभिभावक, शिक्षक एवं स्थानीय नागरिक इस विद्यालय को शिक्षा का महत्वपूर्ण केन्द्र मानते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में विद्यालय को निजी हाथों में सौंपने/निजीकरण किए जाने की प्रक्रिया की जानकारी सामने आई है, जिससे छात्रों, अभिभावकों एवं

जिला प्रशासन के माध्यम से प्रधानमत्री को भेजा ज्ञापन

शिक्षकों में भारी आक्रोश एवं असमंजस की स्थिति बनी हुई है। यदि यह निर्णय लागू किया जाता है तो इससे हजारों छात्रों की शिक्षा प्रभावित होगी। फीस में अत्यधिक वृद्धि की संभावना रहेगी। शिक्षकों एवं कर्मचारियों की नौकरी असुरक्षित हो जायेगी। आम एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के बच्चों के लिए गुणवत्ता शिक्षा प्राप्त करना कठिन हो जायेगा। उन्होंने मांग की है कि निजीकरण के निर्णय को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाये तथा विद्यालय का सरकारी अधिग्रहण सुनिश्चित किया जाये। छात्रों के भविष्य एवं शिक्षक, कर्मचारियों के हितों को सुरक्षा की जाये, विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था को पूर्ववत सुचारू रूप से संचालित किया जाये। प्रदर्शन करने वालों में पार्षद रोबिन त्यागी, पूर्व पार्षद प्रत्याशी संजय उनियाल, शुभम चौहान, रायपुर विधानसभा अध्यक्ष अतुल सक्सेना, अभिषेक पासी, एनएसयूआई प्रदेश सचिव मुकेश भसेडा, जिला उपाध्यक्ष नितिन नेगी, मंथन भाटिया, दक्ष रावत, शिक्षक कर्मचारियों, अभिभावकों सहित अनेक क्षेत्रीय जनता शामिल थे।

दृष्टिबाधित लड़की ने लगाई आधार कार्ड बनाने की गुहार

नई टिहरी(आरएनएस)। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में दूर-दराज से आए फरियादियों ने प्रभारी जिलाधिकारी व सीडीओ वरुणा अग्रवाल को समस्याएं बताकर निस्तारण की मांग की। प्रभारी जिलाधिकारी ने कई समस्याओं का निस्तारण कर अन्य संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर जल्द समाधान के निर्देश दिए हैं। जनता मिलन कार्यक्रम में बूढ़ाकेदार के रक्स्या गांव की एक दृष्टिबाधित लड़की किरन ने आधार कार्ड बनाने और पेंशन सुविधा देने की मांग की। भगवत सिंह रावत ने बताया कि कुठ्ठा- जाख मोटर मार्ग का पुश्ता टूटने से मकान खतरे में आ गया है लेकिन सुरक्षा दीवार नहीं लगाने से उन्हें जोखिम के साथ रहना पड़ रहा है। नवागर क्षेत्र में रसोई गैस वितरण करने की गई। कखील की प्रधान ने बताया कि गांव में मिलन केंद्र बनाने के लिए दान दी गई जमीन को भूस्वामी ने अब किसी और को बेच दिया है। परोड़ी के रमेश लेखवार ने गांव के 17 परिवारों को जल जीवन मिशन से वंचित रखने का आरोप लगाया। जनता दरबार में दर्ज 29 में से कई शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। प्रभारी डीएम ने उद्यान और कृषि विभाग से ओलावृष्टि से हुए नुकसान की रिपोर्ट जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

किसानों की समस्याओं को लेकर बाजपुर में गरजी किसान कांग्रेस

काशीपुर(आरएनएस)। किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हरमिंदर सिंह लाडी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने किसानों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं को लेकर एसडीएम कोर्ट में प्रदर्शन किया। इसके बाद एसडीएम के जरिए मुख्यमंत्री को आठ सूत्रीय मांग पत्र भेजा। लाडी ने कहा कि वर्तमान में किसान कई मोर्चों पर संकट से जूझ रहा है। उन्होंने मांग की कि बाजपुर क्षेत्र के 20 गांवों की भूमि प्रकरण का जल्द समाधान किया जाए। ज्ञापन में मांग की कि किसानों को प्रति एकड़ चार कट्टे यूरिया, एक कट्टा एनपीके और एक कट्टा डीएपी समय पर उपलब्ध कराया जाए। सिंचाई में उपयोग होने वाले ट्यूबवेल और मोटरों के बिजली बिल माफ किए जाएं। इसके अलावा ओलावृष्टि, भारी वर्षा और आगजनी से नष्ट फसलों का उचित मुआवजा देने, गन्ना किसानों के बकाये का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने और क्षेत्र में गैस सिलेंडरों की आपूर्ति में हो रही देरी को दूर करने की मांग भी उठाई गई। साथ ही सीड प्लांटों पर सप्लाई किए जा रहे गेहूं का मूल्य सरकारी दर से 100 रुपये अधिक तय करने की मांग की गई। चेतावनी दी कि यदि किसानों के हितों की अनदेखी की गई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

बिंदुखत्ता राजस्व ग्राम की मांग को क्रमिक अनशन शुरू

हल्द्वानी(आरएनएस)। सैनिक बाहुल्य क्षेत्र बिंदुखत्ता को राजस्व ग्राम घोषित किए जाने की मांग को लेकर आंदोलन तेज हो गया है। वन अधिकार संगठन एवं पूर्व सैनिक संगठन, बिंदुखत्ता के संयुक्त तत्वावधान में क्रमिक अनशन शुरू किया गया है। शहीद स्मारक, बिंदुखत्ता में आंदोलन के पहले दिन विभिन्न सामाजिक वर्गों, पूर्व सैनिकों एवं राज्य आंदोलनकारियों ने भाग लेकर अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। क्रमिक अनशन में अर्जुन नाथ गोस्वामी अध्यक्ष, वन अधिकार समिति, पूर्व ब्लॉक प्रमुख संध्या डालाकोटी, मोहिनी मेहता, ममता बिष्ट, प्रकाश उत्तराखंडी, ललित कांडपाल, विक्की पाठक, पूरन सिंह परिहार राज्य आंदोलनकारी, बलवीर सिंह रावत, कुंवर सिंह पवार पूर्व सैनिक एवं भूपेश जोशी शामिल रहे। यह क्रमिक अनशन दो दिन तक जारी रहेगा। इसके बाद जनसभा की जाएगी।वन अधिकार संगठन के अध्यक्ष उमेश भट्ट ने कहा कि बिंदुखत्ता के हजारों परिवार दशकों से वनभूमि पर आश्रित हैं, और वन अधिकार अधिनियम, 2006 के अंतर्गत राजस्व ग्राम घोषित किए जाने की सभी शर्तों को पूर्ण करते हैं। बलवंत सम्मल, सामाजिक कार्यकर्ता पीयूष जोशी, विजय सिंह दानू, बलवंत सिंह कोरंगा, केदार सिंह कोरंगा, मनोज सिंह कोरंगा, मनोज गोसाईं, नंदन सिंह कुनियाल, गोविंद सिंह, गौरव कोरंगा, हीरा सिंह बिष्ट, बसंत पांडे, रणजीत सिंह, नारायण कोरंगा आदि मौजूद रहे।

कॉजवे व स्कपर के अधूरे निर्माण से सड़क बदहाल

चमोली(आरएनएस)। विकासखंड पोखरी को जिला मुख्यालय गोपेश्वर से जोड़ने वाली सड़क दो जगह पर बदहाल बनी है। कई महीनों से यहां पर कॉजवे और स्कपर का निर्माण कार्य चल रहा है लेकिन अभी तक आधा काम ही हो पाया है। ऐसे में सड़क दो जगह पर बदहाल बनी हुई है। पोखरी क्षेत्र के 50 से अधिक गांवों की जिला मुख्यालय आने जाने वाली पोखरी-हापला-गोपेश्वर सड़क के बगथल व नारी गदेरे में कॉजवे और स्कपर का निर्माण किया जा रहा है। करीब छह माह से ठेकेदार की ओर से इस काम को पूरा नहीं किया जा सकता है। अधूरे कार्य के कारण इन जगहों पर सड़क संकरी हो गई है साथ ही बारिश होने से सड़क पर कीचड़ भर रहा है। इससे वाहनों की आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। किमोठा के प्रधान हरिकृष्ण किमोठी, बीडीसी सदस्य चंद्रकला देवी, कांडई चंद्रशिला के प्रधान भगत सिंह, तोणजी की प्रधान राजेश्वरी देवी, नवीन राणा, गजेंद्र आदि ने जल्द से जल्द सड़क की स्थिति सुधारने की मांग की। वहीं लोनिवि के ईई राजकुमार ने बताया कि ठेकेदार को निर्माण कार्य तत्काल पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। यदि काम पूरा नहीं होता तो विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

'यूकेडी की नई रणनीति और नए तेवर'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। क्षेत्रीय अस्मिता और पहाड़ के मुद्दे को लेकर आंदोलनों में जन्मी यूकेडी ने पहले अलग राज्य, फिर राजधानी, स्थायी राजधानी, गैरसैंण विकास, पलायन, रोजगार और जल-जंगल-जमीन जैसे मुद्दों को लेकर जमीनी लड़ाई लड़ी है। प्रदेश के आमजन के साथ आंदोलनों में खड़ी यूकेडी को सत्ता दिलाने में जनता ने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। आगामी चुनावी समर में जहां एक ओर भाजपा और कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टियां अपनी पूरी ताकत झोंकेंगी, वहीं क्षेत्रीय दल यूकेडी भी एक बार फिर मजबूती के साथ मैदान में उतरने की तैयारी में है। लंबे समय से हाशिये पर दिख रही यूकेडी अब नए तेवर और रणनीति के साथ चुनावी परिदृश्य में अपनी दस्तक दे रही है।

1979 में मसूरी में जन्मी यह यूकेडी कभी उत्तराखंड राज्य गठन का सबसे बड़ा चेहरा थी। क्षेत्रीय स्वाभिमान के तेवर के साथ राज्य आंदोलन से लेकर अब तक यूकेडी ने राज्य में अपनी आक्रामकता को बरकरार रखा है, लेकिन राज्य बनने के बाद भाजपा और कांग्रेस के राजनीतिक जाल में फंसकर पीछे छूट गई। उत्तराखंड की राजनीति में जब भी तीसरे विकल्प की बात आती है, तो यूकेडी का नाम सबसे पहले जेहन में आता है। राज्य आंदोलन की कोख से उपजी यह पार्टी आज एक बार फिर चुनावी समर में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के लिए कमर कस चुकी है।

❑पहाड़ की राजनीति में फिर जगेगी क्षेत्रीय स्वर की गूंज
❑स्थानीय मुद्दों को चुनावी हथियार बनाकर उतरेगी मैदान में
❑यूकेडी नए तेवर व रणनीति के साथ देगी अपनी दस्तक

इस बार यूकेडी अपनी छवि बदलने की कोशिश में है। पार्टी संगठन में युवाओं को आगे लाने और नए चेहरों को टिकट देने की रणनीति पर काम कर रही है। इससे पार्टी न सिर्फ नई ऊर्जा लाना चाहती है, बल्कि युवा मतदाताओं को भी अपने पक्ष में आकर्षित करना चाहती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर यूकेडी युवाओं और स्थानीय नेतृत्व को सही तरीके से सामने लाती है, तो वह कई सीटों पर किंगमेकर की भूमिका निभा सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तराखंड की राजनीति में क्षेत्रीय दलों की भूमिका पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। अगर यूकेडी सही रणनीति अपनाती है और स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाती है, तो वह न सिर्फ अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकती है, बल्कि चुनावी परिणामों को प्रभावित करने की स्थिति में भी आ सकती है।

यूकेडी के युवा नेताओं ने उत्तराखंडियत की भावना को सोशल मीडिया और जमीनी आंदोलनों में हवा दी है। पहाड़ की पहचान और क्षेत्रीय स्वाभिमान को पुनर्जीवित करने की भी कोशिश की है। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या यूकेडी इस बार अपनी खोई साख वापस पा सकेगी, या फिर राष्ट्रीय दलों के बीच उसकी आवाज फिर दबकर रह जाएगी।

सीयूईटी के अभ्यर्थियों को नजदीकी परीक्षा केंद्र हों आवंटित

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ता पंकज फर्स्वाण व अन्य छात्रों ने सीयूईटी यूजी के परीक्षार्थियों को नजदीकी परीक्षा केंद्र आवंटन किए जाने की मांग की है। इस संदर्भ में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत को दिए ज्ञापन में उन्होंने एनटीए व केंद्रीय शिक्षा मंत्री से छात्रों की इस मांग की पैरवी करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि गढ़वाल विवि के चौरास परिसर व पौड़ी घुड़दौड़ी में परीक्षा केंद्र बनाया गया है, लेकिन पौड़ी, टिहरी, रुद्रप्रयाग तथा चमोली जनपदों के अनेक अभ्यर्थियों के परीक्षा केंद्र अन्य राज्यों या अत्यधिक दूर स्थानों पर आवंटित किए गए हैं। पर्वतीय क्षेत्रों से संबंधित छात्रों के लिए इतनी दूर जाकर परीक्षा देना अत्यंत कठिन एवं खर्चीला हो जाता है, जिससे उनकी परीक्षा में सहभागिता भी प्रभावित होती है। उन्होंने टिहरी परिसर के समीप स्थित टीएचडीसी के इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रो पॉवर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संस्थान को भी परीक्षा केंद्र बनाए जाने की मांग की।

चंद्रबदनी मिनी स्टेडियम के लिए 35 लाख स्वीकृत

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। विकासखंड देवप्रयाग के अंतर्गत चंद्रबदनी (नैखरी) स्थित मिनी स्टेडियम में अब खिलाड़ियों के साथ-साथ दर्शकों के लिए भी सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। भारत सरकार ने इसके कलए 35 लाख रुपये की स्वीकृति दी है। श्रीदेव सुमन विवि परिसर के समीप स्थित इस स्टेडियम में विवि में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं नियमित रूप से खेल अभ्यास करते हैं। हालांकि स्टेडियम बनने के बाद से अब तक यहां दर्शकों के लिए पर्याप्त सुविधाएं विकसित नहीं हो पाई थीं जिससे असुविधाओं का सामना करना पड़ता था। अब स्वीकृत धनराशि से स्टेडियम में दर्शकों के लिए स्थायी दर्शकदीर्घा व शेड का निर्माण भी किया जाएगा। साथ ही, स्टेडियम की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूरे परिसर के चारों ओर सुरक्षा दीवार बनाई जाएगी। स्थानीय निवासियों और खेल प्रेमियों का कहना है कि सुविधाएं विकसित होने से न केवल स्थानीय स्तर पर खेलों को बढ़ावा मिलेगा बल्कि भविष्य में यहां बड़े स्तर की प्रतियोगिताएं हो सकेंगी। इससे क्षेत्र के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर मंच मिलेगा।

विभागीय अनदेखी न बन जाए हादसे की वजह

हरिद्वार(आरएनएस)। शहर में विभागीय लापरवाही कहीं किसी बड़े हादसे का कारण न बन जाए, इसकी आशंका लगातार बढ़ती जा रही है। वीआईपी घाट के निकट हाईवे पर पैदल यात्रियों की सुविधा के लिए फुटपाथ का निर्माण तो कर दिया गया है, लेकिन वहां पड़ा मलबा अब तक नहीं हटाया गया है। इससे राहगीरों को फुटपाथ का लाभ नहीं मिल पा रहा और उन्हें मजबूरन सड़क पर चलना पड़ रहा है, जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। शाम के समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जब यातायात का दबाव बढ़ जाता है। वहीं, दूसरी तरफ भगत सिंह चौक के पास लगाए गए लोहे के चेंबर भी क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। इन टूटे हुए चेंबरों के कारण खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए खतरा बना हुआ है। जरा सी असावधानी से वाहन चालक गिरकर गंभीर रूप से घायल हो सकते हैं।

जनता महंगाई से त्रस्त, सरकार खोल रही शराब के शोरूम!

काशीपुर(आरएनएस)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव और लोकसभा प्रत्याशी रहे प्रकाश जोशी ने पांच राज्यों में चुनाव समाप्त होते ही कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में हुई बढ़तरी को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि अब पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाने की भी तैयारी है। कहा कि महंगाई से जनता त्रस्त है, जबकि सरकार शराब के शोरूम खोल रही है।

कुंडेश्वरी रोड स्थित एक रिसॉर्ट में कार्यकर्ताओं की बैठक लेने से पहले जोशी ने पत्रकार वार्ता की। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है। पर्वतीय क्षेत्रों में 950 स्कूल बंद हो गए हैं, जबकि चार हजार स्कूलों में दस से कम बच्चे पढ़ रहे हैं। 1400 स्कूलों में छात्र संख्या शून्य है। इसके बावजूद सरकार विज्ञापनों के माध्यम से अपनी उपलब्धियां गिना रही है। इसके बाद पार्टी की बैठक में जोशी ने कहा कि कांग्रेस 2027 का चुनाव हम एकजुट होकर लड़ेगी और जीत हासिल करेगी।

कहा कि पहाड़ के कई गांव आज भी सड़क से वंचित हैं। हल्द्वानी स्थित सुशीला तिवारी अस्पताल की स्थिति खराब है और विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आंदोलित हैं, लेकिन सरकार उनकी सुनवाई नहीं कर रही है। आरोप लगाया कि परीक्षाएं होती हैं, लेकिन हर बार पेपर लीक हो जाता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इन मुद्दों को जनता के बीच ले जाने की अपील की। कहा कि भाजपा ने समाज में दूरी बढ़ाई है। देवभूमि उत्तराखंड में लिव-इन रिलेशनशिप को मान्यता देना भाजपा का चेहरा उजागर करता है।

राज्य गठन के लिए बलिदान देने वालों के सपने टूट चुके हैं। अंकिता भंडारी को अब तक न्याय नहीं मिल पाया है और पहाड़ों से पलायन तेजी से बढ़ रहा है। यहां एआईसीसी सदस्य एवं कांग्रेस प्रदेश महासचिव अनुपम शर्मा, महानगर अध्यक्ष अलका पाल, पूर्व अध्यक्ष मुशर्रफ हुसैन, दीपिका गुड़िया, इंदुमान, मनोज जोशी, ब्रह्म पाल, सारिम सैफी, गौरव चौधरी, पार्षद अब्दुल कादिर, नौशाद हुसैन, राशिद फारूखी, सरफराज, रवि ढींगरा, प्रदीप जोशी, मंसूर अली मंसूरी रहे।

बिना सोचे-समझे न खरीदें कोई भी ब्यूटी प्रॉडक्ट

बिना सोचे-समझे अपनी स्किन पर कोई प्रोडक्ट लगाना आपके लिए दिक्कत पैदा कर सकता है। इन दिनों मार्केट में तमाम तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स मौजूद हैं, जिनकी ब्रांडिंग इतनी अच्छी प्रकार से की जाती है कि लोग उसे मार्केट में आते ही खरीद लेते हैं। मगर क्या आपने कभी सोचा है कि आप जिसे अपने चेहरे पर लगाएंगी क्या वह उसके लिए बना भी है या नहीं।

स्किन केयर प्रोडक्ट लेने से पहले अपनी उम्र, स्किन टाइप, प्रोडक्ट में मिलाया जाने वाले इंग्रीडिएंट आदि जरूर चेक कर लेना चाहिए। अगर यह एकदम सही होंगे तो स्किन पर असर करेंगे वरना यह प्रॉब्लम्स को और ज्यादा बढ़ा देंगे या फिर बेसर होंगे। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आपको ब्यूटी प्रॉडक्ट्स खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए-

किस उम्र में लें कौन सा प्रोडक्ट

आमतौर पर 25 वर्ष से कम आयु के लोगों की स्किन ऑयली होना शुरू हो जाती है। इन दिनों, हार्मोनल इंबैलेंस के कारण बहुत अधिक से लोग मुंहासे की समस्या से भी परेशान रहते हैं। वहीं, 30 साल के बाद स्किन ड्राय होनी शुरू हो जाती है। इसलिए, उनकी एज ग्रुप और त्वचा के प्रकार के अनुसार, हर किसी को यह जानने की जरूरत है होती है कि कौन से उत्पाद उनके लिए सबसे उपयुक्त होंगे।

पहचाने स्किन का पीएच लेवल

हमारी स्किन का पीएच 5.5 होता है। इसलिए जिन उत्पादों का पीएच उससे कम या ज्यादा है उनसे सख्ती से बचा जाना चाहिए। अधिकांश साबुन का पीएच 11 होता है। पीएच 7 और पीएच 11 के बीच साबुन क्षारीय बन जाता है। जो कि त्वचा के लिए हानिकारक है।

इंग्रीडिएंट का रखें खास ख्याल

त्वचा विशेषज्ञ के अनुसार, पूरे साल सनस्क्रीन का उपयोग करना अनिवार्य है। यहां तक कि किस सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना चाहिए, इसका भी चुनाव किया जाना चाहिए। इन दिनों अब सनस्क्रीन में व्हाइटनिंग और लाइटनिंग एजेंट आने लगे हैं। ये एजेंट आपकी त्वचा को छील देते हैं, क्योंकि इनमें रसायन होता है जो स्किन के लिए हानिकारक होते हैं। सनस्क्रीन ऐसी लें जिसमें मुख्य इंग्रीडिएंट विटामिन-सी के साथ एंटी-एजिंग गुण मौजूद हों।

अस्थमा से ग्रस्त बच्चों को बचाने के लिए क्या करें माता-पिता

अगर आपके बच्चे को अस्थमा है तो कोरोना वायरस आपकी चिंता को दोगुना बढ़ा सकता है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन का कहना है कि मध्य से गंभीर अस्थमा के मरीजों को इस वायरस से ज्यादा खतरा है। कोरोना वायरस श्वसन मार्ग को प्रभावित कर सकता है और इससे निमोनिया एवं सांस से जुड़ी बीमारियां हो सकती हैं।

इस बात की पुष्टि के लिए कोई डाटा तो उपलब्ध नहीं है, लेकिन इस बात को ध्यान रखना जरूरी है कि हम सभी एक महामारी के दौर से गुजर रहे हैं और हर दिन कुछ नया सीखने और जानने को मिल रहा है।

फिलहाल कोविड-19 की कोई वैक्सीन या ट्रीटमेंट नहीं आई है। इस बीमारी के इलाज के लिए कई अध्ययन चल रहे हैं और जब तक ट्रीटमेंट या वैक्सीन नहीं बनती है तब तक बचाव ही एकमात्र रास्ता है।

क्या कहते हैं अध्ययन

सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने शुरुआत में ही कहा था कि दीर्घकालिक लंग डिजीज (जिसमें गंभीर अस्थमा और एलर्जी शामिल है) के मरीजों को स्वस्थ लोगों की तुलना में कोरोना ज्यादा गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है।

क्या करें

यदि आपके बच्चे को अस्थमा है तो इस महामारी से उसे सुरक्षित रखने के लिए उसे समय पर दवा देते रहें। इसके अलावा डॉक्टर से बात करते रहें और बच्चे की इम्यूनिटी को बढ़ाने के लिए दवाएं एवं अन्य तरीकों के बारे में पूछते रहें।

ये उपाय करें

अस्थमा से ग्रस्त बच्चों को कोविड-19 से बचाने के लिए आपको कुछ जरूरी सावधानियां बरतनी होंगी, जैसे कि :

*बच्चे के आसपास धूम्रपान न करें। इसके अलावा अस्थमा को ट्रिगर करने वाले श्वसन संक्रमण, धूल, मिट्टी, प्रदूषण और जानवरों से दूर रहें।

*बच्चे को थोड़ी-थोड़ी देर में हैंड सैनिटाइजर और साबुन से हाथ धोना सिखाएं।

*भीड़भाड़ वाली जगह जाने से बचें और किसी बीमारी व्यक्ति से भी बच्चे को दूर रखें। बेवजह यात्रा न करें।

*अगर आपके घर पर कोई बीमार है तो उसे एक अकेले कमरे में छोड़ें। इससे घर में वायरस फैलने का खतरा कम होता है।

*घर की सफाई में ऐसे कीटनाशक का इस्तेमाल न करें, जो अस्थमा के अटैक को ट्रिगर कर सकता है।(आरएनएस)

पेट दर्द और कब्ज को दूर रखेगी सलाद

हममें से ज्यादातर लोग खाने के साथ सलाद खाते हैं...और आयुर्वेद कहता है कि ऐसा करना गलत है! इससे हमारे शरीर को सलाद का पूरा लाभ भी नहीं मिलता और अक्सर पेट से जुड़ी दिक्कतें हो जाती हैं। तो आइए आज इस बात को जान लेते हैं कि सलाद खाने का सही समय और सही तरीका क्या होता है?ताकि हमारी सेहत को सलाद खाने का पूरा फायदा मिल सके...

क्यों खानी चाहिए सलाद?

-सलाद खाने से कब्ज से राहत मिलती है। क्योंकि सलाद फाइबर से भरपूर होता है। इसमें मौजूद फल और सब्जियां हमारे शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व प्रदान करती हैं। इससे हमें भोजन को सही तरीके से पचाने में सहायता मिलती है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है।

-फाइबर युक्त होने के साथ ही खट्टे फल साइट्रिक एसिड से भरपूर होते हैं। इससे हमारे पाचन तंत्र और आंत की सफाई में सहायता मिलती है। साथ ही स्किन के अंदरूनी और बाहरी डैमेज सेल्स की रिपेयरिंग होती है।

सलाद लिवर को रखती है फिट

-लिवर को सेहमंद रखने के लिए जरूरी है कि आप मौसमी फलों की सलाद जरूर खाएं। जैसे गर्मी के मौसम में खीरा, ककड़ी, चुकंदर, कच्ची प्याज और नींबू और टमाटर का उपयोग जरूर करें।

-वहीं सर्दियों में गाजर, मूली, शलजम, पत्ता गोभी, केल आदि का उपयोग जरूर करना चाहिए। सलाद खाने से हमारे शरीर को जरूरत के हिसाब से फाइबर की प्राप्ति होती है। इससे लिवर को खाना डायजेस्ट करने में आसानी होती है और आंतों को पेट से मल साफ करने में सुविधा रहती है।

डिहाइड्रेशन को रोके

-आप नियमित रूप से चाहे फरूट्स सैलेड खाएं या वेजिटेबल सैलेड या फिर अलग-अलग समय पर दोनों का सेवन करें। फरूट्स और वेजिटेबल्स खाने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती है। गर्मी के मौसम में फल और सब्जियों की सलाद हमारे शरीर में नमी के स्तर को बनाए रखती है।

-जो लोग नियमित रूप से सलाद का सेवन करते हैं, उन्हें गर्म के मौसम में लू जैसी समस्या भी परेशान नहीं करती है। साथ ही ऐसे लोग हर समय ऊर्जावान बने रहते हैं। आप चाहें तो कुछ दिन नियमित रूप से सलाद का सेवन कर इस बात का अनुभव स्वयं कर सकते हैं।

सलाद खाने का जरूरी नियम

-हमारे समाज में सलाद को भोजन के साथ खाने का ट्रेंड है, जो कि पूरी तरह गलत है। जी हां, सलाद को कभी भी भोजन के साथ नहीं खाना चाहिए। आपको सलाद भोजन से आधा घंटा पहले या दिन में लगनेवाली हल्की-फुल्की भूख के समय ही खाना चाहिए।

भोजन के साथ सलाद के नुकसान

-आमतौर पर हम भोजन को गर्म करके खाते हैं। इससे भोजन का तापमान बढ़ा हुआ होता है और सलाद का तापमान ठंडा होता है। इससे हमारे दांतों को नुकसान पहुंचता है। साथ ही हमारा पाचन बेहतर होने की जगह धीमा हो जाता है।

-भोजन और सलाद एक साथ खाने पर पाचनतंत्र और आंतों पर अधिक दबाव पड़ता है। क्योंकि अलग-अलग चीजों को डायजेस्ट करने के लिए लिवर को उतनी ही तरह के एंजाइम्स का सीक्रेशन करना पड़ता है। ताकि भोजन ठीक से पच सके।

मंद हो जाती है जठराग्नि

-दूसरे, ठंडा और गर्म खाना एक साथ खाने से हमारी भोजन को पचानेवाली ऊर्जा जिसे आयुर्वेद में जठराग्नि कहते हैं, वो मंद पड़ जाती है। इससे भोजन को पचने में बहुत समय लगता है। कई बार इस कारण गैस, कब्ज और पेटदर्द की समस्या भी हो जाती है।

शब्द सामर्थ्य -024

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

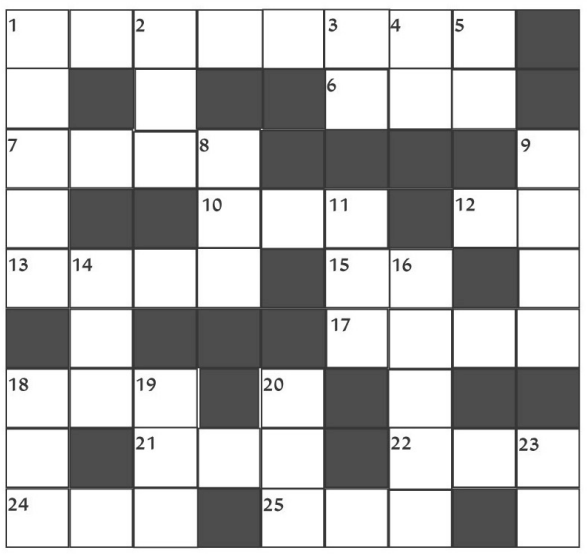

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 23 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

दूसरी बार टल गई सनी देओल की गबरू' की रिलीज डेट!

पहले गदर 2' और अब बॉर्डर 2' की सक्सेस ने सनी देओल को एक बार फिर ऊंचाईयं पर पहुंचा दिया है। वहीं फैंस अब एक्टर की अपकमिंग फिल्मों को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं इनमें गबरू' भी शामिल है। इस फिल्म की रिलीज डेट 8 मई तय की गई थी लेकिन अब खबरों के मुताबिक सनी देओल की गबरू' के लिए फैंस को और इंतजार करना पड़ सकता है। दअसल फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, एक सूत्र ने बताया, गबरू की रिलीज टाल दी गई है और यह 8 मई को सिनेमाघरों में नहीं आएगी। मेकर्स कुछ दिनों में नई रिलीज डेट तय कर लेंगे, जिसके बाद वे ऑफिशियल अनाउंसमेंट करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, गबरू 13 मार्च को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसे 8 मई तक टाल दिया गया। अब, इस नए अपडेट से पता चलता है कि अभिनेता के फैंस को फिल्म को सिनेमाघरों में देखने के लिए कुछ और समय इंतजार करना पड़ेगा।

इससे पहले, नवंबर 2025 में आई रिपोर्ट में कहा गया था कि सनी देओल की इस फिल्म में सलमान खान कैमियो करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक सूत्र ने कंफर्म करते हुए बताया, एक स्टार की ज़रूरत थी और निर्माताओं को पता था कि सलमान खान इस भूमिका के लिए बिल्कुल सही हैं। सलमान से संपर्क किया गया और उन्हें यह किरदार और फिल्म में इसका कॉन्ट्रिब्यूशन बहुत पसंद आया। उन्होंने एक साल से भी पहले चुपचाप फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी थी और फिल्म अच्छी बन रही है। गबरू में उनका कैमियो बेहद दिल छू लेने वाला है। यह प्यारा होने के साथ-साथ बेहद एंटरटेनिंग भी है। फिल्म में उनके कुल तीन सीन हैं, इसलिए यह एक एक्सटेंडेड स्पेशल अपीयरेंस है।

गबरू को इंटेंस इमोशनल से भरपूर एक्शन-ड्रामा बताया जा रहा है। खबरों के मुताबिक, फिल्म सनी देओल के किरदार और एक चाइल्ट आर्टिस्च की कहानी है, जो दोनों अपने-अपने संघर्षों से जूझ रहे हैं। उनका इमोशनल बॉन्ड ही कहानी का आधार है। उम्मीद है कि फिल्म में सनी देओल एक दमदार भूमिका में नज़र आएंगे, जिसमें एक्शन और इमोशंस का बेहतरीन मेल होगा। फिलहाल फैंस इस फिल्म के टीजर का इंतजाक कर रहे हैं।

रिलीज होते ही छाया गणेश आचार्य का गाना माही वे!

मशहूर कोरियोग्राफर और एक्टर गणेश आचार्य व एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी स्टारर हिंदी म्यूजिक वीडियो माही वे दर्शकों के बीच आते ही तेजी से वायरल हो रहा है। यह म्यूजिक वीडियो सुर म्यूजिक रिकार्ड्स के ऑफिसियल यूट्यूब से रिलीज हुआ है।

यह गाना, गणेश आचार्य और आकांक्षा पुरी के इमोशनल अंदाज़, दमदार म्युजिक और शानदार विजुअल्स के कारण दर्शकों का खूब प्यार बटोर रहा है। रिलीज के कुछ ही समय में गाने को सोशल मीडिया और यूट्यूब पर शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है।

गाने को लेकर गणेश आचार्य ने कहा, माही वे सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि भावनाओं की अभिव्यक्ति है। इसकी कहानी, संगीत और विजुअल्स हर किसी को अपनी जिंदगी के किसी न किसी एहसास से जोड़ देंगे। दर्शकों से जिस तरह का प्यार मिल रहा है, वह बेहद खास है। मुझे खुशी है कि लोग इस गाने की भावना को महसूस कर रहे हैं।

गणेश आचार्य ने आगे कहा, माही वे' मेरे लिए बेहद खास प्रोजेक्ट है क्योंकि इस गाने में केवल डांस या परफॉर्मेंस नहीं, बल्कि गहरी भावनाओं को अभिव्यक्त करने का मौका मिला। जब मैंने पहली बार इस गाने का कॉन्सेप्ट सुना, तभी समझ गया था कि यह दर्शकों के दिलों तक पहुंचेगा।

उन्होंने आगे कहा, सुल्ताना नूरान और शबाब साबरी की आवाज़ ने इसे अलग ऊंचाई दी है। आकांक्षा पुरी के साथ काम करने का अनुभव भी शानदार रहा। जिस तरह से दर्शक इस गाने को प्यार दे रहे हैं, वह बताता है कि अच्छे कंटेंट की हमेशा कद्र होती है। मुझे उम्मीद है कि माही वे' आने वाले दिनों में और बड़ा हिट साबित होगा।

बता दें, गाने को अपनी आवाज दी है मशहूर गायिका सुल्ताना नूरान और गायक शबाब साबरी ने, जिसने गाने को और भी खास बना दिया है। वहीं अशोक पंजाबी के लिखे बोल और राहुल राजपूत के संगीत ने इस रोमांटिक-इमोशनल ट्रैक को खास बना दिया है। यह गाना प्यार, दर्द और जुदाई की भावनाओं को बहुत खूबसूरती से दिखाता है, जो सीधे दिल को छूता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

साड़ी, बिंदी और खुले बालज् सामंथा रुथ प्रभु का देसी लुक छाया, सादगी ने जीता दिल

साउथ की पापुलर एक्ट्रेस समांथा रुथ प्रभु बला की खूबसूरत है। हाल ही में उन्होंने ट्रेडिशनल लुक में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर कर फैंस का दिल चुरा लिया। उनका ये अंदाज देखने लायक है। आइए देखते हैं तस्वीरें।

सामंथा रूथ प्रभु ने इंस्टाग्राम पर आपकी कई फोटोज शेयर की हैं। जिसमें वो ट्रेडिशनल लुक में नजर आई।

एक्ट्रेस ने पीच कलर की साड़ी पहनी है, साथ ही सिंपल ब्लाउज कैरी किया है। साड़ी में वो काफी ब्यूटीफुल लग रही हैं।

उन्होंने अपने इस ट्रेडिशनल लुक को बिंदी और गोल्डन एक्सेसरीज कैरी करके कंप्लीट किया है।

एक्ट्रेस सटल मेकअप और खुले बालों में बेहद ही हसीन लग रही हैं। उनकी ये सादगी फैंस को भा गई।

उन्होंने जमकर अलग-अलग अंदाज में कई पोज दिए हैं। हर एक तस्वीर में उनका खूबसूरती साफ झलक रही है।

सामंथा की ये फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस एक्ट्रेस की खूबसूरती पर फिदा हो गए है।

यूजर्स अलग-अलग तरह के कमेंट्स कर उनपर प्यार लुटा रहे हैं।

अरिजीत सिंह की फैन बनीं निकिता गांधी, कहा- उनके सफर से मैंने बहुत कुछ सीखा है

बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय फिल्मों में अपने बहुमुखी गायन से फैंस के दिलों में खास जगह बना चुकी निकिता गांधी ने अरिजीत सिंह के साथ कई गानों में अपनी आवाज दी है। उन्होंने बताया कि वे अरिजीत की बहुत बड़ी फैन हैं। निकिता कहती हैं, मैं अरिजीत की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं और मैं उनके सफर और गायकी का बहुत सम्मान करती हूं। मैं खुद भी एक बहुमुखी गायिका हूं। मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि मैंने उनके सफर से बहुत कुछ सीखा है।

बेशक, इस बात का बहुत दुख है कि अभी वे नए दौर से गुजर रहे हैं, लेकिन उन्होंने बहुत सारा काम किया है और इस इंडस्ट्री को अपना बहुत कुछ दिया है। निकिता गांधी ने आगे अपने सफर को याद किया। उन्होंने बताया कि पहले फिल्मों में गाना शुरू किया, उसके बाद अपना इंडी म्यूजिक रिलीज किया। आमतौर पर लोग पहले इंडी करते हैं और फिर फिल्मों में आते हैं, लेकिन मेरा सफर उल्टा रहा। कॉलेज के दिनों में मैंने तमिल फिल्मों में गाना शुरू किया। उस समय म्यूजिक इंडस्ट्री में आने का मेरा कोई भी प्लान नहीं था, लेकिन साउथ इंडस्ट्री और फिर बॉलीवुड में मौका मिला। उसके बाद उन्होंने अपना करियर शुरू किया।

निकिता कहती हैं, यह बहुत अलग और शानदार सफर रहा, क्योंकि मैंने कभी सिंगर बनने का सपना नहीं देखा था। इसलिए, मैंने इसे प्यार से किया और अपने करियर का पूरा मजा लिया।

लाइव परफॉर्मेंस और स्टूडियो रिकॉर्डिंग के बीच अंतर पर बात करते हुए निकिता ने बताया कि दोनों अनुभव बिल्कुल अलग हैं। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं। लाइव शो में दर्शकों की मिली-जुली ऊर्जा मिलती है, जो बहुत खास होती है। वह पल उसी समय का होता है और चला जाता है। हर कोई उस अनुभव को महसूस करता है। दूसरी ओर, स्टूडियो में रिकॉर्डिंग करते समय परफेक्शन पर जोर होता है। जब आप स्टूडियो में सॉन्ग रिकॉर्ड करते हैं, तो परफेक्शन के लिए तीन-चार बार टेक लेते हैं, जब तक गाना एकदम सही न हो जाए। क्योंकि यह रिकॉर्डेड चीज हमेशा के लिए रह जाती है। इसलिए इसे जितना बेहतर बना सकते हैं, उतना बेहतर बनाते हैं। इसमें समय और कड़ी मेहनत लगती है।

सभी अस्पताल हों क्रियाशील, म्यूल टास्क फोर्स रखें तैनात

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। आयुक्त गढ़वाल मंडल विनय शंकर पांडेय व आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने केदारनाथ धाम यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने यात्रा व्यवस्था नोडल अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों व व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ जिला कार्यालय सभागार में समीक्षा बैठक की। इस दौरान आयुक्त ने सिलिंडरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, सभी अस्पताल क्रियाशील व म्यूल टास्क फोर्स तैनात रखने, शौचालयों की नियमित साफ-सफाई, कार्मिकों की पर्याप्त तैनाती, सफाई सामग्री एवं पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सेक्टर मजिस्ट्रेट के माध्यम से शौचालयों की रैंडम चेकिंग कराने के निर्देश देते हुए यात्रा में स्वच्छता सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए कहा। डीएम विशाल मिश्रा ने गढ़वाल आयुक्त को अब तक की यात्रा संचालन स्थिति से अवगत कराया। पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने यात्रा रूट प्लान, ट्रैफिक व्यवस्था, पार्किंग एवं आपातकालीन सेवाओं की जानकारी दी। केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने कई मांगें रखीं। इस अवसर पर केदारनाथ धाम में अग्नि सुरक्षा के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीद के लिए लाख की धनराशि आवंटित की गई है।

पीएचडी के लिए 825 अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा से छूट

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। हेमवती नंदन बहुगुणा गगढ़वाल केंद्रीय विवि में पीएचडी प्रवेश के लिए 1712 अभ्यर्थियों ने पंजीकृत किया था। इनमें से यूजीसी नेट, जेआरएफ, सीएसआईआर नेट, गेट, जीपैट, सीड, आईसीएमआर नेट, डीबीटी नेट आदि राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा व साक्षात्कार के आधार पर 825 अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा से छूट मिलेगी। जबकि 887 परीक्षा में शामिल होंगे।गढ़वाल विवि की ओर से पूर्व में केवल राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को ही पीएचडी में प्रवेश दिए जाने का निर्णय लिया गया लेकिन छात्रों ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा कराने की मांग की थी। इसके लिए छात्रों ने आंदोलन भी किया जिस पर विवि ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा के आवेदन जारी किए। अब 17 मई को इसके लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित होगी। विवि ने प्रवेश परीक्षा के लिए देहरादून, दिल्ली और श्रीनगर में परीक्षा केंद्र बनाए हैं। देहरादून परीक्षा केंद्र पर 411, दिल्ली परीक्षा केंद्र पर 148 तथा श्रीनगर परीक्षा केंद्र पर 328 अभ्यर्थी परीक्षा के लिए पंजीकृत हैं। विवि के कुलसचिव प्रो. वाईपी रैवानी ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं को क्वालीफाई करने वाले 825 छात्रों ने भी पीएचडी में प्रवेश के लिए आवेदन किया है। इन्हें प्रवेश परीक्षा से छूट दी गई है। इसके अलावा 887 अभ्यर्थी पीएचडी प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर दी गई हैं।

सू- दोकू क्र.024

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 23 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

कुंभ के कार्यों में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई : कैड़ा

हरिद्वार(आरएनएस)। शहरी विकास मंत्री राम सिंह कैड़ा ने कहा कि कुंभ मेले को ऐतिहासिक और भव्य बनाने के लिए सरकार हर स्तर पर प्रयासरत है। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कुंभ मेला सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है और सभी कार्य तय समयसीमा में गुणवत्ता व पारदर्शिता के साथ पूरे किए जाएं। कार्यों में लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री राम सिंह कैड़ा ने हरिद्वार पहुंचकर कुंभ मेले की तैयारियों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने मेला नियंत्रण भवन में मेला प्रशासन और तमाम विभागों के अधिकारियों के साथ कुंभ मेले के लिए किए जा रहे निर्माणकार्यों की प्रगति की रिपोर्ट ली। एक महीने में ये शहरी विकास मंत्री की दूसरी समीक्षा बैठक थी, जिसमें मेलाधिकारी सोनिका के अलावा पीडब्ल्यूडी, सिंचाई, पेयजल, परिवहन, जल संस्थान समेत तमाम विभागों के अधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान मेला प्रशासन ने उन्हें पीपीटी के माध्यम से कुंभ मेले के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी दी। मंत्री ने कुंभ मेले के लिए प्रस्तावित अवस्थापना विकास कार्यों, निर्माणाधीन परियोजनाओं, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, घाटों के सुदृढ़ीकरण, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा से संबंधित तैयारियों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार हरिद्वार कुंभ को एक ऐतिहासिक आयोजन के रूप में स्थापित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसे देखते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और यह सुनिश्चित करें कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि कुंभ मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान और व्यवस्थागत क्षमता का भी प्रतीक है। इसलिए मेला से जुड़े निर्माण कार्यों और सुविधाओं की गुणवत्ता ऐसी होनी चाहिए, जिनका लाभ भविष्य में स्थानीय जनता और हरिद्वार आने वाले श्रद्धालुओं को निरंतर मिलता रहे।

बैठक के दौरान मंत्री राम सिंह कैड़ा ने आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए कार्यों की गति बढ़ाने पर भी जोर दिया और कहा कि सभी विभाग मौसम संबंधी चुनौतियों को ध्यान में रखकर कार्ययोजना तैयार करें। निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की देरी न होने दें।

उन्होंने कहा कि कुंभ से जुड़े सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। वे स्वयं नियमित रूप से कार्यों की प्रगति की समीक्षा करने के साथ ही योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण भी करेंगे और मुख्यमंत्री स्तर से समय-समय पर समीक्षा भी की जाएगी। विशेष रूप से पार्किंग व्यवस्था, यातायात संचालन, शौचालयों की उपलब्धता, साफ-सफाई और घाटों पर सुविधा एवं सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

नर्सरी रोड पर बेलगाम डंपरों से लग रहा जाम

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत नर्सरी रोड पर इन दिनों रेत और पत्थर से भरे डंपरों की भारी आवाजाही से लोग परेशान हो चुके हैं। बेलगाम डंपरों के कारण कई बार यहां जाम लग रहा है और लोगों व स्कूली बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।रमेश चंद्र थपलियाल, दिनेश, अमित, नाजिम और आशुतोष ने बताया कि नर्सरी रोड पहले से ही संकरी है और मार्ग पर ढलान भी अधिक है। अलकेश्वर घाट की ओर जाने वाले इन डंपरों की गति पर कोई नियंत्रण नहीं है। इस मार्ग से रोजाना चार से पांच स्कूलों के बच्चे गुजरते हैं और डंपरों की तेज रफ्तार से हर समय दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। शंकर और आनंद भंडारी का कहना है कि डंपरों की वजह से अक्सर बच्चों की स्कूल बसें और ऑफिस जाने वाले लोग समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पाते। लोगों ने प्रशासन से स्कूल खुलने और छुट्टी होने के समय इस मार्ग पर डंपरों की आवाजाही पर रोक लगाने की मांग की।

जिलाधिकारी ने अनिवार्य की ई-फाइलिंग, जन समस्याओं पर निर्देश

पौड़ी(आरएनएस)। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने जिला कार्यालय सभागार में जनता मिलन कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए ई-ऑफिस के तहत ई-फाइलिंग प्रणाली को अनिवार्य रूप से अपनाने का निर्देश दिया। साथ ही, सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों के समयबद्ध समाधान पर भी जोर दिया। जिलाधिकारी ने पूर्व में दर्ज प्रकरणों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने अतिवृष्टि और तूफान से बाधित विद्युत आपूर्ति का संज्ञान लिया। इससे पेयजल पंपिंग भी प्रभावित हुई थी। उन्होंने जल संस्थान को पंपिंग कार्य का लॉग प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। ऊर्जा निगम को सभी प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बहाल करने के निर्देश दिए गए। न्यू बसअड्डा निवासी मोहित सिंह ने पेयजल समस्या की शिकायत की। इस पर जल संस्थान के कनिष्ठ अभियंता को मौके पर भेजा गया। धौलकंडी, बेलकंडी और कोस्याल जैसे क्षेत्रों में बंदरों और तेंदुए की समस्या सामने आई।

सात को 1.12 लाख से अधिक को मिलेगी एल्बेंडाजॉल

पौड़ी(आरएनएस)। जनपद में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सात मई को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत सरकारी, अर्धसरकारी, निजी विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों में एक से 19 वर्ष आयु वर्ग के कुल 1,12,०27 बच्चों, किशोरों एवं किशोरियों को कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजॉल खिलाई जाएगी। छूटे हुए पात्र लाभार्थियों के लिए 14 मई को मॉप-अप डे निर्धारित किया गया है। सीएमओ डॉ. शिव मोहन शुक्ला ने बताया कि अभियान के सफल संचालन हेतु सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। विकासखंड स्तर पर दवा वितरण के साथ-साथ स्कूल प्रबंधन, आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं को आवश्यक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा चुका है।

कॉमर्शियल गैस के दाम बढ़ाने पर कांग्रेस का केंद्र के खिलाफ प्रदर्शन

विकासनगर(आरएनएस)। देश में बढ़ती महंगाई और कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में भारी बढ़ोतरी के विरोध में पछुवादून कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। विकासनगर से चकराता की ओर जा रहे पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं चकराता विधायक प्रीतम सिंह भी जुलूस में शामिल हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने पांच राज्यों में विधान सभा चुनाव के लिए मतदान समाप्त होते ही कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाकर आम आदमी पर आर्थिक बोझ डाला है। तिलक भवन से कांग्रेस कार्यकर्ता जुलूस निकालकर पहाड़ी गली चौक पर पहुंचे जहां केंद्र सरकार का पुतला दहन किया गया। पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह ने कहा कि सरकार की नीतियों के कारण आम जनता, खासकर छोटे व्यापारी और मध्यम वर्ग आर्थिक संकट से जूझ रहा है। सरकार ने पांच राज्यों में हुए चुनावों में फायदा लेने के लिए चुनाव से पूर्व कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि नहीं की। चुनाव समाप्त होने के बाद जनता पर आर्थिक बोझ डाला गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की यह नीति रही है कि चुनाव के समाप्त होने के बाद जनता को आर्थिक बोझ तले दबा देती है। कहा कि इन दिनों चारधाम यात्रा चल रही है। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने से श्रद्धालुओं को भी महंगाई की मार झेलनी पड़ेगी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष संजय किशोर महेंद्रू ने कहा कि भाजपा सरकार के शासन काल में हर दिन महंगाई में बढ़ोत्तरी हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार सिर्फ पूंजीपतियों की हितैषी है। चुनाव के वक्त धार्मिक उन्माद फैलाकर वोट को अपने पक्ष में करने में माहिर हो चुकी भाजपा हर दिन आम आदमी का शोषण कर रही है। कहा कि सरकार ने जल्द ही महंगाई पर नियंत्रण नहीं किया और गैस सिलेंडर की कीमतों में कमी नहीं की, तो कांग्रेस पार्टी अपना आंदोलन और तेज करेगी।प्रदर्शन करने वालों में शहर अध्यक्ष विकास शर्मा, डाकपत्थर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, प्रेम प्रकाश अग्रवाल, संजय जैन, विपुल जैन, पूर्व सभासद शम्मी प्रकाश, पूर्व महासचिव राजीव शर्मा, जितेंद्र रावत, मोहित बिष्ट, फुरकान अहमद, डॉ. सुभाष चंबेल, समीर अंसारी, बलजीत सिंह, फरमान अहमद, अमित रमोला, कांतिराम नौटियाल, नासिर हुसैन, परवेज, अनस मुनीर, रॉकी, भूपेश उपाध्याय, अभिराजन, श्याम चंद, एंथोनी, मनजीत चावला आदि शामिल रहे।

जिलाधिकारी ने की जनगणना 2026 की समीक्षा बैठक

हमारे संवाददाता

पौड़ी। जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया की अध्यक्षता में जिला मुख्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में जनगणना 2026 के प्रथम चरण के सफल क्रियान्वयन हेतु एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद की सभी तहसीलों और नगर निकायों में चल रहे मकानों की गणना तथा मकान सूचीकरण कार्यों की प्रगति का बारीकी से जायजा लिया।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यद्यपि जनगणना का प्रथम चरण 25 अप्रैल से 24 मई तक निर्धारित है, परंतु जनपद के सभी चार्ज अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि फील्ड का समस्त कार्य 20 मई तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिया जाय। उन्होंने कहा कि समय से पूर्व लक्ष्य प्राप्ति से डेटा की जांच और तकनीकी त्रुटियों के सुधार के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा। इस संबंध में उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को अपनी कार्ययोजना में तेजी लाने के निर्देश दिए।

❑20 मई तक मकान सूचीकरण कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित

निगरानी तंत्र को मजबूत करने पर बल देते हुए जिलाधिकारी ने सभी चार्ज अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने अधीन तैनात प्रगणकों और सुपरवाइजरों के लिए प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी नियमित रूप से फील्ड स्टाफ की निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि दैनिक आधार पर लक्ष्य प्राप्त किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने प्रत्येक चार्ज अधिकारी से उनकी रणनीति पर भी चर्चा की। प्रशासनिक स्तर पर समीक्षा की व्यवस्था तय करते हुए जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त उपजिलाधिकारियों को अपने क्षेत्रों में जनगणना कार्य की समीक्षा हेतु निरंतर बैठकें करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपजिलाधिकारी प्रतिदिन के कार्यों की समीक्षा करें और यदि कहीं कोई व्यवधान आ रहा है, तो उसका तत्काल निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने नगर निकायों और तहसीलों द्वारा किए जा रहे कार्यों का तुलनात्मक विवरण भी देखा और पिछड़ रहे क्षेत्रों को तत्काल गति बढ़ाने की हिदायत दी।

बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों से जनगणना कार्य को गंभीरता के साथ पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही से बचते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय बनाए रखें, ताकि यह महत्वपूर्ण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, प्रभारी अपर जिलाधिकारी/संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी, अपर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी हेमंत काला सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दो शराब तस्कर दबोचे, 15 पेटी शराब बरामद

हमारे संवाददाता

देहरादून। शराब तस्करी में लिप्त दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 15 पेटी अंग्रेजी शराब व तस्करी में प्रयुक्त कार बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना नेहरूकालोनी पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ शराब तस्कर भारी मात्रा में शराब की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को बद्रीश कॉलोनी के पास से एक संदिग्ध कार आती हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रूकने का

इशारा किया तो कार चालक व उसका साथी कार छोड़कर भागने लगा। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। कार की तलाशी के दौरान उसमें रखी 15 पेटी अंग्रेजी शराब (इम्पीरियल ब्लू व्हिस्की) बरामद हुई, जिस पर पुलिस ने दोनो को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उन्होने अपना नाम अरुण तिवारी पुत्र अनिल कुमार निवासी आईएसबीटी, कोतवाली ऋषिकेश, देहरादून व महेंद्र रौतेला पुत्र पदम सिंह रौतेला निवासी राजीव ग्राम, ढालवाला, निकट बस अड्डा जनपद टिहरी गढ़वाल बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

मुख्य सचिव ने दिये शासकीय विद्यालयों में मूलभूत सुविधायें उपलब्ध कराने के निर्देश

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सभी शासकीय विद्यालयों में सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाओ उपलब्ध काये जाने के निर्देश दिये।

आज यहां मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सचिवालय में शिक्षा विभाग की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने प्रदेश की सभी शासकीय विद्यालयों में सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाओं उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने सचिव शिक्षा को स्कूलों में बुक बैंक बनाये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन बुक बैंक्स में कक्षा उत्तीर्ण करने के उपरांत बुक्स को वापस रखा जा सकेगा एवं अगले सत्र में छात्रों को वितरित किया जा सकेगा। जो बुक्स खराब हो गई या बच्चे किसी भी कारण से वापस नहीं कर पाए एवं नई डिमांड के अनुरूप बुक्स छपवाई जाएं। इससे प्रत्येक वर्ष हजारों बुक्स छपवाने का करोड़ों का खर्च बचेगा। मुख्य सचिव ने क्लस्टर विद्यालयों में कक्षा कक्षों एवं हॉस्टल आदि के भवन निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए नाबार्ड से फंडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी विद्यालयों में बिजली पानी के साथ ही शौचालय आदि की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के भी निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि विद्यालयों में शौचालयों की साफ-सफाई का एक स्थायी समाधान निकाले जाने की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यालयों में शौचालयों की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने हेतु मैकेनिज्म तैयार किए जाने के निर्देश दिए, इसके लिए अलग से फंडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव ने विद्यालयों में डिजिटल पुस्तकालयों की व्यवस्था भी किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल पुस्तकालयों से विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पुस्तकों को पढ़ने और ज्ञान अर्जित करने का अवसर प्राप्त होगा। इस अवसर पर सचिव रविनाथ रमन एवं निदेशक माध्यममिक शिक्षा डॉ. मुकुल कुमार सती सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

छात्रों तक नशा पहुँचाने वाला फरार चल रहा मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। नशा कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए पुलिस ने छात्रों तक नशा सामग्री पहुंचाने वाले मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लम्बे समय से फरार था। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

विदित हो कि बीते 3 अक्टूबर 2025 को कोतवाली कर्णप्रयाग पुलिस ने अजय सिंह पिमोली नाम के एक आरोपी को 520 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया था। चौंकाने वाली बात यह थी कि पकड़ा गया आरोपी खुद बीटेक का छात्र था और श्रीनगर कॉलेज के छात्रों को नशे के जाल में धकेलने की साजिश रच रहा था। आरोपी अजय सिंह पिमोली को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर जिला कारागार चमोली भेजा गया था। मामले में जांच के दौरान पता चला कि इस नेटवर्क का मुख्य सप्लायर बलबीर सिंह उर्फ बल्ली है। पुलिस ने आरोपियों के बीच हुए बैंक ट्रांजैक्शन और कॉल डिटेल खंगालने पर यह स्पष्ट हुआ कि बलवीर सिंह ही वह मुख्य सप्लायर था, जो शिक्षण संस्थानों के छात्रों तक नशा पहुँचाने के इस नेटवर्क का संचालन कर रहा था। जिस पर पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी। आरोपी बलवीर सिंह पुलिस की पकड़ से बचने के लिए लगातार फरार चल रहा था। बीती शाम एक सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेस-देवाल मार्ग पर घेराबंदी कर आरोपी बलवीर सिंह उर्फ बल्ली पुत्र बहादुर सिंह निवासी ग्राम हिमनी, पोस्ट घेस, थाना थराली, जिला चमोली उम्र 32 वर्ष को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया गया है। जिसे न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है।

खुखरी के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने खुखरी के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने दून यूनिवर्सिटी के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया तो वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिये। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से खुखरी बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम संजू थापा उर्फ गंजू पुत्र शेर बहादुर निवासी मोथरोवाला बताया।

नशा सप्लाई चेन का मास्टरमाइंड हल्द्वानी से गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। टैक्सी ड्राईवर की आड़ में नशा कारोबार को करने वाले नशा सप्लाई चेन के मास्टर मांइड को पुलिस ने हल्द्वानी से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के साथी पूर्व में ही भारी मात्रा में चरस के साथ गिरफ्तार होकर जेल जा चुके है। जबकि मुख्य आपूर्तिकर्ता टैक्सी चालक लगातार फरार चल रहा था।

बता दें कि कोतवाली कोटद्वार पुलिस एवं सीआईयू की संयुक्त टीम द्वारा बीती 25 मार्च को बीईएल रोड के समीप आरोपी दलजीत सिंह एवं विजय सिंह को 2 किलोग्राम 930 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया था। पूछताछ के दौरान आरोपियों द्वारा बताया गया कि वे उक्त चरस जनपद बागेश्वर निवासी एक व्यक्ति से लाकर, क्षेत्र में विशेष रूप से छात्रों एवं वाहन चालकों को बेचकर धन अर्जित करते थे। उक्त प्रकरण में संलिप्त मुख्य चरस आपूर्तिकर्ता पुलिस कार्रवाई से बचने हेतु लगातार फरार चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे थे। जांच में सामने आया कि बागेश्वर निवासी, खिलाफ सिंह दानू इस तस्करी नेटवर्क का मुख्य आपूर्तिकर्ता है, जो लंबे समय से सह-अभियुक्त दलजीत सिंह को चरस उपलब्ध करा रहा था। प्रकरण में पर्याप्त साक्ष्य संकलित होने पर आरोपी खिलाफ सिंह दानू के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा लालकुआं, हल्द्वानी से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह पेशे से टैक्सी चालक है तथा बागेश्वर क्षेत्र में पर्यटकों को पिण्डारी ग्लेशियर ट्रेकिंग हेतु ले जाने का कार्य करता है।

इस दौरान उसका विभिन्न बाहरी व्यक्तियों एवं पर्यटकों से संपर्क होता था, जिसके पश्चात वह उन्हें चरस की सप्लाई करता है और गांव के आसपास के जंगलों में भांग की उगाई गई फसल से थोड़ी-थोड़ी मात्रा में चरस एकत्रित करता है। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

मुख्यमंत्री ने वन क्लिक से 7.5 लाख से अधिक पेंशनर्स के खाते में भेजी पेंशन

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समाज कल्याण विभाग के पेंशनर्स को वन क्लिक के माध्यम से अप्रैल माह की पेंशन का भुगतान किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समाज कल्याण विभाग के पेंशनर्स को वन क्लिक के माध्यम से अप्रैल माह की पेंशन का भुगतान किया। जिसमें शत प्रतिशत राज्य पोषित योजनाओं के 756682 पेंशनर्स को कुल 111 करोड़ 82 लाख 52 हजार रुपए की धनराशि जारी की गई, इसमें वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांग, किसान, परित्यक्ता, भरण पोषण अनुदान, तीलू रौतेली और बौना पेंशन शामिल है। सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा सरकार अंत्योदय के लिए समर्पित है, इसलिए सरकार आर्थिक- सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग के सशक्तिकरण पर विशेष जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को समाज कल्याण विभाग की पेंशन का लाभ दिलाने के लिए लगातार कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं, जिसके फलस्वरूप अब प्रत्येक वर्ष 60 हजार से अधिक नए लोग समाज कल्याण की पेंशन से जुड़ रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगे भी इस तरह के बहुउददेशीय कैम्प आयोजित किए जाएं। साथ ही प्रत्येक वर्ष 59 वर्ष की आयु पूरे करने वाले लोगों के बीच सर्वे कर पात्र लाभार्थियों के आवेदन पत्र सहित अन्य औपचारिकताएं पूरी कर लें, ताकि 60 साल की उम्र पूरी होते ही उन्हें योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं का लाभ मिले, इसके लिए वार्षिक आय को व्यावहारिक बनाया जाए, साथ ही पेंशन योजनाओं सहित विभाग की अन्य योजनाओं की जानकारी एक जगह पर उपलब्ध कराने को कहा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नवाचार अपनाने के लिए निर्देश देते हुए कहा कि, विभाग समाज कल्याण के क्षेत्र में कुछ बेस्ट प्रैक्टिस कर अन्य विभागों के साथ भी साझा करें। साथ ही कॉल सेंटर के माध्यम से बुजुर्गों और पेंशनर्स से संवाद भी करें। इस मौके पर विभागीय मंत्री खजान दास ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में विभाग, प्रत्येक जरूरतमंद का ख्याल रख रहा है। उन्होंने कहा कि पेंशन योजनाओं में पूरी तरह पारदर्शिता बरती जा रही है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, सचिव शैलेश बगौली, अपर सचिव बंशीधर तिवारी, निदेशक समाज कल्याण डॉ. संदीप तिवारी, अपर सचिव समाज कल्याण प्रकाश चंद्र एवं समाज कल्याण विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

महिला विरोधी पार्टियों को सबक सिखाने का क्रम देवभूमि में भी जारी रहेगा: भट्ट

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। भाजपा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने वाली पार्टियों को देश की जनता ने सबक सिखाना शुरू कर दिया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा, इसकी शुरुआत बंगाल सहित पांच राज्यों के चुनाव से हुई है। अब देवभूमि भी महिला विरोधी कांग्रेस को सबक सिखाने के लिए बेसब्री से 27 के चुनावों का इंतजार कर रही है। इस बार कांग्रेस का प्रदेश से पूरी तरह सूपड़ा साफ होना तय नजर आ रहा है।

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी दलों द्वारा महिला सशक्तिकरण के प्रयासों में रोड़े अटकाने से उत्तराखण्ड की मातृशक्ति में भी भारी आक्रोश है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा देवभूमि की जागरूक महिलाएं कांग्रेस के महिला विरोधी चरित्र को पहचान चुकी हैं। अब राज्यों के हालिया चुनाव परिणाम से उनका ये मत मजबूत हुआ है कि महिला विरोधी पार्टियां स्वीकार नही। लिहाजा, 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता कांग्रेस को करारा जवाब देगी और उनका सूपड़ा साफ होना पूरी तरह तय है।

उन्होंने उत्तराखण्ड की चर्चा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सौ फीसदी क्षमता और ईमानदारी के साथ जन-आकांक्षाओं को पूरा कर रही है। हमारी डबल इंजन सरकार की सरकार विकास, विरासत और देवभूमि की विशिष्ट छवि को बनाए रखने के लिए संकल्पित होकर काम कर रही है।

उन्होंने कहा, पांच राज्यों के परिणाम न केवल कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाने वाले हैं बल्कि यह जनता के उस भरोसे को भी मजबूत करते हैं कि वह एक सही पार्टी के साथ विकसित उत्तराखण्ड के निर्माण में सहभागी हैं। उन्होंने दोहराया कि भाजपा अंत्योदय के मंत्र के साथ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है, जिसपर जनता आगे भी अपनी मुहर लगाने वाली है।

ढाई वर्ष से फरार 5 हजार का ईनामी बदमाश गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। गौकशी मामले में ढाई वर्षो से फरार चल रहे पांच हजार के ईनामी को पुलिस व सीआईयू की संयुक्त टीम द्वारा गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते 13 सितम्बर 2023 को उप निरीक्षक शरद सिंह, उत्तराखण्ड गौवंश संरक्षण स्क्वाड गढ़वाल परिक्षेत्र की बरामदगी के आधार पर थाना कोतवाली मंगलौर पर उत्तराखण्ड गोवंश संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया था। मौके से 2 आरोपियों को हिरासत में लिया गया था, जिनके कब्जे से गौवंश से संबंधित उपकरण व गौमांस बरामद हुआ था। मामले में एक आरोपी शराफत पुत्र वशीर निवासी ग्राम टांडा भन्हेड़ा, थाना कोतवाली मंगलौर, जनपद हरिद्वार पिछले लगभग ढाई वर्ष से फरार चल रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी हेतु लगातार दबिश दी गई, किन्तु वह अपने ठिकाने बदलता रहा। आरोपी के विरुद्ध न्यायालय से गैर-जमानती वारंट प्राप्त किए गए थे। इसके अतिरिक्त पुलिस ने उसके ऊपर पांच हजार का ईनाम घोषित किया गया था। जिसे एक सूचना के बाद बीती रात गिरफ्तार कर लिया गया है।

नदी किनारे गिरे बुजुर्ग श्रद्धालु का किया सकुशल रेस्क्यू

संवाददाता

उत्तरकाशी। गंगोत्री हाईवे पर नदीं में गिरे बुजुर्ग को पुलिस व एसडीआरएफ ने सकुशल रेस्क्यू कर परिजनों को सौंपा।

मिली जानकारी के अनुसार गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग गंगोरी, गरमपानी के समीप हाईवे से भागीरथी नदी तट पर गिरे श्रद्धालु के लिये पुलिस व एसडीआरएफ की टीम देवदूत बनकर सामने आयी है। जब रात्रि को कोतवाली मनेरी के गंगोरी, गरमपानी के समीप एक श्रद्धालु के भारीरथी नदी में गिरने की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक मनेरी श्री दीपक नौटियाल के नेतृत्व में मनेरी पुलिस एवं एसडीआरएफ की टीम द्वारा तुरन्त मौके पर पहुंचकर सूझबूझ, साहस एवं दक्षता का परिचय देते हुए रस्सियों व अन्य रेस्क्यू उपकरणों की सहायता से रोड से नदी तट पर उतरकर घायल तक पहुँच बनाते हुये रात्रि के समय अंधेरे एवं कठिन परिस्थितियों के बावजूद कडी मशक्कत के बाद श्रद्धालु को सुरक्षित बाहर निकाला गया। 108 के माध्यम से प्राथमिक उपचार हेतु जिला चिकित्सालय उत्तरकाशी भिजवाया गया है। हरदा, मध्य प्रदेश निवासी श्रद्धालु तुलसीराम गहलोत (65 वर्ष) द्वारा बताया गया कि वह गाड़ी से उतरकर शौच करने गये थे, अचानक पैर फिसलने के कारण वह रोड से नीचे भागीरथी किनारे पर गिर गये थे। श्रद्धालु एवं उनके परिजनों द्वारा पुलिस और एसडीआरएफ की त्वरित कार्यवाही की सरहना करते हुये उत्तरखंड पुलिस का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। सभी यात्री अपने गंतव्य को सकुशल रवाना हुए। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में 'सेवा, सुरक्षा और संवेदनशीलता' के संकल्प के साथ उत्तरकाशी पुलिस चारधाम यात्रियों की सुरक्षा हेतु हर पल तत्पर है।

विद्युत लाईनों की अंडरग्राउंड केबलिंग का कार्य जून तक हो पूर्ण: बर्द्धन

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने पिटकुल को निर्देश दिए कि सड़कों की खुदाई एवं अंडरग्राउण्ड केबलिंग और ब्लैक टॉपिंग का कार्य जून माह तक पूर्ण कर लिया जाए।

आज यहां मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सचिवालय में देहरादून में विद्युत लाईनों की अंडरग्राउण्ड केबलिंग को लेकर ऊर्जा विभाग एवं जिलाधिकारी देहरादून के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। मुख्य सचिव ने पिटकुल को निर्देश दिए कि सड़कों की खुदाई एवं अंडरग्राउण्ड केबलिंग और ब्लैक टॉपिंग का कार्य जून माह तक पूर्ण कर लिया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि पिटकुल को सभी फ्रंट पर एक साथ कार्य खोलने के बजाय कुछ फ्रंट पर कार्य खोलकर अपनी सभी लेबर को एक ही जगह कंसंट्रेट करते हुए कार्य को निर्धारित समयसीमा के अंतर्गत पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि इससे पूरे शहर की सड़कें खुदने के बजाय कुछ हिस्सों में अधिक लेबर लगाने से कार्य ज्यादा तेजी से होगा। इससे शहरवासियों को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी देहरादून के साथ लगातार सम्पर्क बनाते हुए अपने कार्य को तय समय सीमा के साथ पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जिलाधिकारी देहरादून को भी अंडरग्राउण्ड केबलिंग की प्रगति की साप्ताहिक मॉनिटरिंग किए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि एक जगह कार्य पूर्ण होने के बाद ही आगे के कार्य शुरू किए जाने की परमिशन दी जाए। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम, जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल एवं पिटकुल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।